तैयारी | **जापान पहुंचे भारतीय प्रतिनिधिमंडल ने उद्यमियों से की मुलाकात, साझा सहयोग के लिए दोनों देशों में सहमति**

यूपी में ग्रीन हाइड्रोजन उत्कृष्टता केंद्र बनेगा

लखनऊ, विशेष संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने जापान के साथ ग्रीन हाइड्रोजन और नवीकरणीय ऊर्जा में सहयोग बढ़ाने की दिशा में अहम कदम उठाया है। जापान के उद्यमियों ने प्रदेश में ग्रीन हाइड्रोजन के उत्पादन के लिए सेंटर ऑफ एक्सीलेंस स्थापित करने के लिए अपनी स्वीकृति दी है। उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने जापान में टोयोटा मिराई नामक अगली पीढ़ी की हाइड्रोजन फ्यूल सेल कार के बारे में चर्चा की, जो हाइड्रोजन और ऑक्सीजन के संयोजन से ऊर्जा उत्पन्न करती है। वहीं केवल पानी उत्सर्जित करती है। इसके अलावा हरित हाइड्रोजन के उत्पादन और ऊर्जा नवाचार को बढ़ावा देने के लिए संभावित साझेदारियों पर भी चर्चा की गई। यूपीनेडा के निदेशक इंद्रजीत सिंह ने प्रदेश में स्वच्छ ऊर्जा उत्पादन बढ़ाने के लिए वैश्विक संस्थाओं के साथ सहयोग की आवश्यकता जताई है। प्रदेश में सौर ऊर्जा, जलविद्युत, बायोमास आधारित विद्युत उत्पादन जैसे ऊर्जा स्रोतों का सही उपयोग किया जा सकता है। प्रतिनिधिमंडल ने यामानाशी प्रान्त स्थित कई अत्याधुनिक स्थलों का दौरा किया, जिनमें नेसार्ड ग्रीन हाइड्रोजन प्लांट, संटोरी हकुशू डिस्टिलरी और हाइड्रोजन रिसर्च सेंटर शामिल हैं। इन शोध परक यात्राओं से उत्तर प्रदेश को सर्वोत्तम वैश्विक प्रक्रियाओं और नवीन समाधानों को अपनाने में मदद मिलेगी।

भारतीय प्रतिनिधिमंडल ने जापान के उद्यमियों से उत्कृष्टता केंद्र स्थापित करने पर चर्चा की

जापान के साथ साझेदारी पर चर्चा

प्रतिनिधिमंडल ने जापान के उद्यमियों से हरित हाइड्रोजन के उत्पादन और सतत ऊर्जा एवं गतिशीलता में नवाचार को प्रोत्साहित करने वाले उत्कृष्टता केंद्रों की स्थापना के लिए साझेदारियों पर भी चर्चा की। प्रदेश में हरित हाइड्रोजन और अन्य स्वच्छ ऊर्जा समाधानों के लिए एक सशक्त पारिस्थितिकी तंत्र के निर्माण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। यूपीनेडा के निदेशक ने वैश्विक संस्थानों के साथ सहयोग को विस्तार देने में गहरी रुचि जताई।

प्रदेश में पानी से चलने वाली कार के उत्पादन का खुलेगा रास्ता

लखनऊ। सौर ऊर्जा के बाद प्रदेश अब ग्रीन हाइड्रोजन का भी गढ़ बनेगा। इस संबंध में उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने जापान के साथ ग्रीन हाइड्रोजन व नवीकरणीय ऊर्जा में सहयोग बढ़ाने की दिशा में अहम कदम उठाया है। जापान के उद्यमियों ने प्रदेश में ग्रीन हाइड्रोजन के उत्पादन के लिए सेंटर ऑफ एक्सीलेंस स्थापित करने के लिए अपनी स्वीकृति दी है। ग्रीन हाइड्रोजन से पानी से चलने वाली कार के उत्पादन का रास्ता खुलेगा।

प्रदेश सरकार के प्रतिनिधिमंडल में सीएम के सलाहकार अवनीश अवस्थी, इन्वेस्ट यूपी के सीईओ विजय किरण आनंद व यूपीनेडा के निदेशक इंदरजीत सिंह हैं। उन्होंने जापान में टोयोटा मिराई नामक अगली पीढ़ी की हाइड्रोजन फ्यूल सेल कार के बारे में चर्चा की, जो हाइड्रोजन और ऑक्सीजन के संयोजन से ऊर्जा पैदा करती है। यह तकनीक उत्तर प्रदेश की शून्य उत्सर्जन परिवहन नीति के लिए एक बेहतरीन उदाहरण है। इसके अलावा ग्रीन हाइड्रोजन के उत्पादन और ऊर्जा नवाचार को बढ़ावा देने के लिए साझेदारियों पर बात हुई।

यूपीनेडा निदेशक ने प्रदेश में स्वच्छ ऊर्जा उत्पादन बढ़ाने के लिए वैश्विक संस्थाओं के साथ सहयोग को और मजबूत करने पर बल दिया। प्रतिनिधिमंडल ने जापान के यामानाशी प्रान्त स्थित हाईटेक संयंत्रों का दौरा किया। इनमें नेसार्ड ग्रीन हाइड्रोजन प्लांट, संटोरी हकुशू डिस्टिलरी (जहां पॉवर-टू-गैस तकनीक संयंत्र है) और हाइड्रोजन रिसर्च सेंटर शामिल हैं।

ग्रीन हाइड्रोजन के लिए प्रदेश में बनेगा सेंटर ऑफ एक्सीलेंस जापान पहुंचे प्रतिनिधिमंडल ने उद्यमियों से की मुलाकात

जापान में उद्यमियों के साथ मुख्यमंत्री के सलाहकार अवनीश अवस्थी, इन्वेस्ट यूपी के सीईओ विजय किरण आनंद व यूपीनेडा के निदेशक इंदरजीत सिंह। -सूचना विभाग

जापान के 20 मेयरों को ओडीओपी स्मृति चिह्न

लखनऊ। ओसाका में चल रहे वर्ल्ड एक्सपो में उत्तर प्रदेश ने 'परंपरा से प्रगति' को दर्शाते हुए भारत-जापान संबंधों को मजबूत बनाने के उद्देश्य से सांस्कृतिक कूटनीति का प्रदर्शन किया। इंडिया-जापान पार्टनरशिप कार्यक्रम में इन्वेस्ट यूपी ने राज्य की विकास गाथा, निवेश की संभावनाएं और जापान के साथ साझा मूल्यों को प्रस्तुत किया। इस अवसर पर जापान के 20 से ज्यादा मेयरों को एक जिला-एक उत्पाद के तहत स्मृति चिह्न दिए गए। भारतीय वाणिज्य दूतावास ने भारत की बढ़ती अर्थव्यवस्था, वैश्विक नेतृत्व और रणनीतिक साझेदारियों में उत्तर प्रदेश को अग्रणी भूमिका में प्रस्तुत किया। बैठक में तकनीकी, शहरी विकास और व्यापार के क्षेत्र में सहयोग की नई संभावनाओं पर बात हुई। ब्यूरो